

मनसा सेवा का विज्ञान

जब मौन भी सेवा बन जाता है

हम अक्सर सेवा को शब्दों, कार्यों और प्रयासों से जोड़कर देखते हैं, लेकिन आध्यात्मिकता हमें सेवा का एक और गहरा आयाम सिखाती है—मनसा सेवा। हमारे विचार केवल हमारे मन तक सीमित नहीं रहते, वे तरंगों के रूप में वातावरण में फैलते हैं और दूसरों को प्रभावित करते हैं। जब मन शुद्ध, शांत और परमात्म स्मृति से भरपूर होता है, तब हमारी उपस्थिति ही अनेक आत्माओं के लिए शक्ति और शांति का स्रोत बन जाती है। आज के अशांत समय में मनसा सेवा केवल एक आध्यात्मिक अभ्यास नहीं, बल्कि विश्व कल्याण का एक प्रभावशाली माध्यम है।

एक विशाल वृक्ष की जड़ें कभी दिखाई नहीं देतीं, न ही वे शोर मचाती हैं। फिर भी पूरा वृक्ष उन्हीं के सहारे हरा-भरा रहता है। उसी प्रकार आध्यात्मिक जीवन में मनसा सेवा वह अदृश्य शक्ति है जो संसार को शांति और शक्ति प्रदान करती है।

आज दुनिया में ज्ञान देने वाले बहुत हैं, लेकिन शांति बाँटने वाले कम हैं। शब्दों की सेवा आवश्यक है, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है मन की सेवा। बापदादा कहते हैं कि हमारे विचार केवल हमारे भीतर सीमित

नहीं रहते, वे वायब्रेशन्स के रूप में वातावरण में फैलते हैं।

विज्ञान भी मानता है कि भावनाएं संक्रामक होती हैं। यदि कोई व्यक्ति क्रोध में कमरे



में प्रवेश करे, तो बिना कुछ बोले भी वातावरण में तनाव महसूस होने लगता है। उसी प्रकार यदि कोई आत्मा शांति और स्थिरता में स्थित हो, तो उसकी उपस्थिति मात्र से दूसरों को राहत का अनुभव होने लगता है।

मनसा सेवा का अर्थ केवल मौन रहना नहीं है। इसका अर्थ है अपने मन को इतना स्वच्छ

और शांत बनाना कि उससे निकलने वाली तरंगें दूसरों के लिए सुख और शक्ति का स्रोत बन जाएं। जब कोई दुःखी आत्मा हमारे संपर्क में आए, तो उसे हमारे शब्दों से पहले हमारी स्थिति का अनुभव हो।

आज मानवता को केवल सलाह नहीं, सहारा चाहिए। केवल ज्ञान नहीं, शक्ति चाहिए। यह शक्ति तब मिलती है जब हम स्वयं भीतर से स्थिर हों। यदि हमारा मन ही अशांत है, तो हम दूसरों को शांति कैसे दे सकते हैं? मनसा सेवा हमें सिखाती है कि सच्ची सेवा बाहर से पहले भीतर होती है। जब हम अपने मन को परमात्म स्मृति से भरते हैं, तब हमारी प्रत्येक दृष्टि, प्रत्येक संकल्प और प्रत्येक कर्म सेवा का माध्यम बन जाता है।

यही कारण है कि बापदादा बार-बार कहते हैं कि स्वयं को शक्तिशाली बनाओ। क्योंकि जो स्वयं भरपूर है, वही दूसरों को दे सकता है। खाली पात्र किसी को कुछ नहीं दे सकता।

आज आवश्यकता है कि हम अपने मन को शिकायतों, आलोचनाओं और व्यर्थ चिंतन से मुक्त करें। जब मन शांत होगा, तब हमारे वायब्रेशन्स स्वतः ही विश्व कल्याण का माध्यम बन जाएंगे।



पानाजी-गोवडा। रक्षाबंधन के अवसर पर लोकप्रिय में माननीय राज्यपाल पुष्पावती अशोक गजपति राजू को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. सोपा दीदी। साथ हैं ब.कु. प्रमिता एवं ब्र.कु. नारायण।



रायपुर-छ.ग.। माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को रक्षासूत्र बांधते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सविता दीदी।



रीवा-म.प्र.। रक्षाबंधन पर्व पर सॉकेट हाउस में माननीय उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला को रक्षासूत्र बांधते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. लता बहन।



न्यू पलासिया-इंदौर(म.प्र.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, भारत सरकार को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. आरती।



नई दिल्ली। रक्षाबंधन पर्व पर पूर्व सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. शिविका, मार्टेट आनू। साथ हैं ब्र.कु. प्रकाश, मार्टेट आनू।



छोटा उदेपुर-गुज.। पीसी बरंडा, राज्य कक्षा मंत्री, आदिनाति विकास, अनन, नार्गरिक प्रखंड व शांत सुरक्षा एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती चंद्रिका को उनके निवास स्थान मेघराज मोहम्मदा पर रक्षासूत्र बांधते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका डॉ. ब्र.कु. मौनिका बहन।



मुरत-उधना(गुज.)। किन्नर अखाड़ा समाज द्वारा रत्नयोगिनी ब्र.कु. मन्नेरमा देवी, प्रणामराज को मेमैंटो भेंट कर सम्मानित किया गया।



तुमसर-विनोबा नगर(महारा.)। रक्षाबंधन पर्व पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मोहित करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शक्ति बहन। मेवासीन हैं एसबीओ अंबालि पोखरे, तहसीलदार उमेश अंबादे, नगर पार्षद उपाध्यक्ष सविन बोपे एवं नायब तहसीलदार संजय जांभुकर।



बालोद-छ.ग.। राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि के 19वें पुण्य स्मृति दिवस एवं विगत बंधुत्व दिवस पर रक्तदान महाअभियान के उद्घाटन अवसर पर सम्मोहित करते हुए टीआई शिशुपाल सिन्हा, ब्लड बैंक जिला अस्पताल डॉ. मुरली मनोहर मुर्ति, नगरपालिका उपाध्यक्ष कमलेश सोनी, पार्षद नगरपालिका परिषद गिरिजेश गुप्ता, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. विजयलक्ष्मी।



न्यू पलासिया-इंदौर(म.प्र.)। रुस्तम आर्म्ड पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में रक्षाबंधन पर्व एवं नशा मुक्ति कार्यक्रम के दौरान ब्र.कु. प्रमिता द्वारा चतुर्भुज, निरीक्षक, अमर सिंह मालवीय, निरीक्षक, सुरेश कुमार बोर्दिया, निरीक्षक, देवेन्द्र देवडे, निरीक्षक तथा अन्य सीनियर्स अधिकारियों को रक्षासूत्र बांधा गया। मौके पर उपस्थित रहे धार्मिक प्रभाग के जोनल कोऑर्डिनेटर राजयोगी ब्र.कु. नारायण एवं ब्र.कु. सागर।



साहोद-गुज.। मूल्य आधारित मीडिया सेमिनार का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए विधायक कनैयालाल किशोरी, मीडिया विंग नेशनल कोऑर्डिनेटर राजयोगी ब्र.कु. शांतनु, ओमशान्ति मीडिया सम्पादक राजयोगी ब्र.कु. गंगाधर, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सुरेखा तथा अन्य अतिथिगण।



वडोदरा-अटलादरा(गुज.)। राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि के 19वें पुण्य स्मृति दिवस एवं विश्व बंधुत्व दिवस पर ब्रह्माकुमारीज सेवा प्रभाग, फैक्ट्री ऑफ कॉमर्स एमएस ग्रुनिवर्सिटी एवं सौराष्ट्र पटेल सेवा समाज द्वारा रक्तदान महाअभियान के दौरान आयोजित कार्यक्रम में रक्तदान करते हुए भाई-बहनें। समूह चित्र में साथ हैं मेयर गौता बेन मकवाना, उमेश मकवाना, सौराष्ट्र सेवा समाज प्रेसिडेंट मणि वाछणी, ठमिया पाम सिंदसर के नाणा मंत्री, एग्रीकल्चर प्रो. राजनभाई ददानिया, अग्रयुक्त ब्लड बैंक डॉ. मनीषभाई, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. अरुणा तथा अन्य।